www.sgbauonline.com

AU–2197

M.A. (Part-II) Examination

PALI & PRAKRIT

Paper—I

(Pali Poetry)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 100

Note :— Write answers in the medium offered.

सूचना :— स्वीकृत माध्यमातून उत्तरे लिहा.

सूचना :— स्वीकृत माध्यम में उत्तर लिखिये।

1. (A) Translate with reference to context the following : 10

खालील गाथांचे ससंदर्भ भाषांतर करा.

निम्नलिखित गाथाओं का संदर्भ-सहित अनुवाद कीजिये :

(i) यानीध भूतानि समागतानि, भूम्मानि व यानि व अन्तलिक्खे।
सब्बेव भूता सुमना भवन्तु।
अथो पि सक्कच्च सुणन्तु भासितं
तस्मा हि भूता निसामेथ सब्बे,
मेत्तं करोथ मानुसिया पजाय।
दिवा च रत्तो च हरन्ति ये बलिं,
तस्मा हि ने रक्खथ अप्पमत्ता।।

OR/किंवा/अथवा

(ii) पुनापरं यदा—होमि मगध वट्टपोतको।
अजातपक्खो तरुणो मंसपेसि कुलावेक।।
मुखतुण्डे नाहरित्वा माता पोसयती ममं।
तस्स फस्सेन जीवामि नत्थि मे कायिकं बलं
संवच्छरे गिम्हसमये दावडाहो पदिप्पति।
उपगच्छिति अम्हाकं पावको कण्हवत्तनी।।

www.sgbauonline.com

(B) Translate with reference in the context of the following : 10

खालील गाथांचे ससंदर्भ भाषांतर करा :

निम्नलिखित गाथाओं का ससंदर्भ अनुवाद कीजिये :

नङ्गलेहि कसं खेत्तं, बीजानि पवपं छमा;
पुत्तदारानि पोसेन्ता, धनं विन्दन्ति माणवा
किमहं सीलसम्पन्ना, सत्थुसासनकारिका।
निब्बानं नाधिगच्छामि, अकुसीता अनुद्धता।।
पादे पक्खालयित्वान, उदकेसु करोमहं।
पादोदकं च दिस्वान, थलतो निन्नमागतं।।
ततो चित्तं समाधेसिं, अस्सं भद्रं व जानियं।।
ततो दीपं गहेत्वान, विहारं पाविसिं अहं।

OR/किंवा/अथवा

कल्याणमित्तता मुनिना, लोकं आदिस्स वण्णिता।
कल्याणमित्ते भजमानो, अपि बालो पण्डितो अस्स।
भजितब्बा सप्पुरिसा, पञ्ञा तथा वड्ढति भजन्तानं।
भजमानो सप्पुरिसे, सब्बेहि पि दुक्खेहि पमुच्चेय्य।।
दुक्खं च विजानेय्य, दुक्खस्स च समुदयं निरोधं।
अट्ठङ्गिकं च मग्गं चत्तारि पि अरियसच्चानि।।
दुक्खो इत्थिभावो, अक्खातो पुरिसदम्मसारथिना।
सपत्तिकं पि हि दुक्खं, अप्पेकच्चा सकिं विजातायो।।

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

2. (A) Translate with reference to the context of the following : 10

खालील गाथांचे ससंदर्भ भाषांतर करा.

निम्नलिखित गाथाओं का ससंदर्भ अनुवाद कीजिये.

पस्स चित्तकतं बिम्बं, अरुकाय समुस्सितं।
आतुरं बहुसङ्कप्पं, यस्स नत्थि धुवं ठितिं।।
पस्स चित्तकतं रूपं मणिना कुण्डलेन च।
अट्ठिं तचेन ओनद्धं, सह वत्थेहि सोभति।।
अलत्तककता पादा, मुखं चुण्णकमक्खितं।
अलं बालस्स मोहाय, नो च पारगवेसिनो।।

OR/किंवा/अथवा

पिसुणेन च कोधनेन च, मच्छरिना च विभूतनन्दिना।
सखितं न करेय्य पण्डितो, पापो कापुरिसेन सङ्गमो।।
सद्धेन च पेसलेन च, पञ्ञवता बहुस्सुतेन च।
संखितं करेय्य पण्डितो, भद्दो सप्पुरिसेन सङ्गमो।।
पस्स चित्तकतं बिम्ब...पे...यस्स नत्थि धुव ठिति।।
पस्स चित्तकतं बिम्बं...पे...सह वत्थेहि सोभति।।

(B) Write the importance of "Dhammupada" and write detail of "Panditvogga". 10

धम्मपद या ग्रंथाचे महत्व सांगून पण्डित वग्गाविषयी सविस्तर लिहा.

धम्मपद ग्रंथ का महत्व लिखकर पण्डितवग्ग के बारे में सविस्तार लिखिये।

OR/किंवा/अथवा

Explain the importance of "Chittavogga".

चित्तवग्गाचे महत्व विशद करा.

चित्तवग्ग की मार्मिकता का वर्णन कीजिये।

www.sgbauonline.com

www.sgbauonline.com

3. Write the life of "किसागोतमीथेरी". 20

किसागोतमीथेरी चा जीवन-वृत्तांत लिहा

किसागोतमी थेरी का जीवनानुभव लिखिये।

OR/किंवा/अथवा

Write the importance of "Sutta-Nipat" in Tipitaka Pali literature.

पाली तिपिटक साहित्यामध्ये सुत्तनिपात ग्रंथाचे महत्व लिहा

पाली त्रिपिटक साहित्य में सुत्तनिपात ग्रंथ का महत्व लिखिये।

4. Detail about the importance of "चरियापिटक" and write "मच्छराज चरिय" 20

चरियापिटक ग्रंथाचे महत्व सांगून "मच्छराज चरियं" बद्दल सविस्तर लिहा

चरियापिटक ग्रंथ का महत्व बताकर "मच्छराज चरियं" के बारे में विस्तृत लिखिये।

OR/किंवा/अथवा

Write about "Ratthapal Thero".

"रट्ठपाल थेर" विषयी लिहा.

रट्ठपाल थेर के बारे में लिखिये।

5. Write the notes on any **TWO** : 20

कोणत्याही दोन वर टिपणे लिहा :

किन्हीं दो पर टिप्पणियां लिखिये :

(1) निब्बाण

(2) थेरगाथा

(3) थेरीगाथा

(4) सुत्तनिपात

(5) चरियापिटक

www.sgbauonline.com